THE LABRADOR FROM CINCINNATI

Everybody Laughed.
The Dog Didn't.



FERDINANDO FREGA

CINCINNATI का लैब्राडोर

सब हँसे। कुत्ता नहीं हँसा।

The P&G Saga · 18

हमेशा से एक सामाजिक नियम रहा है जो एक ही बात कहता है: लोग अंतिम संस्कार में हँसते हैं और शादियों में रोते हैं। ज़्यादातर लोगों के लिए यह किसी विचार के भीतर एक मुस्कान छोड़ जाता था; पर जो सोचते थे, जो ख़ुद को बहुमत मानते थे, वे ज़ोर देकर कहते थे कि यह सच नहीं है।

यह ऐसा ही था जैसे पाँच महीने पहले पूरी दुनिया से कहना कि सिर्फ़ $70 महीने में मैं पूरे वेब पर चढ़ जाऊँगा, बहुराष्ट्रीय कंपनियों की अपनी ही खोज-क्वेरी के शिखर तक — न पैसा, न विज्ञापन, न SEO — और ज़्यादातर लोग इस ख़बर को मज़ाक समझकर मुस्कुरा देते, केवल उसका व्यंग्य वाला पहलू पकड़ते हुए। किसी ने नहीं सोचा कि यह एक सबूत हो सकता है, या कि व्यंग्य केवल उस आदमी के काम में बसता था जिसने यह कर दिखाया था।

पर आज एक ख़ास दिन था: मेरे पिता का जन्मदिन। सुबह-सुबह, उन्हें बताए बिना, मैं उनसे मिलने उनके शाश्वत निवास गया: क़ब्रिस्तान।

मुलाक़ात आँसुओं और मुस्कानों का मिश्रण थी, पर अंत में मैंने उन्हें अपने ढंग से मनाया था, इसी कहानी के भीतर, उन्हें चौंकाने के लिए — वह काम जो मैं सबसे अच्छा करता था, और जिसे वे बेहद पसंद करते थे।

घर लौटा तो पत्नी को रोते पाया। मुझे लगा कि वह भी दिन की भावुकता में मेरे साथ शामिल हो गई है। ऐसा नहीं था। उसका दिल हमारे कुत्ते के लिए टूटा हुआ था, दस साल का एक अमेरिकी लैब्राडोर, जो अब बूढ़ा हो चला था, जिसने तीन दिन से खाने से इनकार कर रखा था, और उसे कोई हल नहीं सूझ रहा था।

कुत्तों के डॉक्टर का आना भी — मैंने उसे कभी पशु-चिकित्सक के पद पर तरक़्क़ी नहीं दी थी — इंसानी चिकित्सा के उसी जाने-पहचाने दुःस्वप्न में बदल गया: पैसे देकर जाँच, नुस्ख़े, लैब टेस्ट, और वह अपनी चमचमाती नई गाड़ी के साथ, जबकि मैं वहाँ खड़ा उसकी चतुराई की दाद दे रहा था।

तो मैंने समस्या की छानबीन की और कारण ढूँढ़ लिया। मेरी पत्नी ने उस किबल का ब्रांड बदल दिया था जिसे खाकर वह बड़ा हुआ था: 10 किलो का जंबो बैग, विटामिनों से भरपूर और हर जगह विज्ञापित, एक ऐसी कंपनी का बनाया हुआ जिसे मैं बहुत अच्छी तरह जानता था, $25 की मामूली रक़म में।

मेरी पत्नी एलिज़ाबेत्ता ने एक नया ब्रांड आज़माया था जो सस्ता था, जिसके बैग पर एक मादा अमेरिकी लैब्राडोर बनी थी, और उसे लगा था कि इससे वह उसका दिल जीत लेगी। ऐसा नहीं हुआ। उसे वही ब्रांड चाहिए था, और सिर्फ़ वही ब्रांड।

मेरी पत्नी को लगा कि मैं उसकी टाँग खींच रहा हूँ, पर जब मैंने नए किबल की एक मुट्ठी लेकर पुराने बैग में डाली, तो वह खाने लगा — फिर पहले कौर के तुरंत बाद रुक गया और मेरी ओर देखा, जैसे कह रहा हो कि मैं उसे कभी बेवकूफ़ नहीं बना पाऊँगा।

मैं पूरी स्थिति पर पागलों की तरह हँस रहा था, मेरी पत्नी रो रही थी क्योंकि उसे लगता था कि कुत्ता मर रहा है, और मेरी बेटी, बीच में फँसी, हमसे कह रही थी कि हम दोनों बेवकूफ़ हैं।

मैंने कुत्ते का पट्टा पकड़ा और हम टहलने निकल पड़े, सीधे पालतू जानवरों के खाने की एक दुकान की खिड़की तक। वहाँ, ठीक सामने सजा हुआ, उसका ब्रांड था। उसने कुछ नहीं छिपाया: पूँछ हिलाते हुए, भौंकते हुए, उसने मुझे बता दिया कि उसे वही चाहिए।

मैं रुककर उसे समझाने लगा कि हम तंगी के दिनों से गुज़र रहे हैं, कि जिस ब्रांड से वह इतना प्यार करता है वह मेरी एक चढ़ाई का निशाना रहा है,

और कि शायद एक दिन मैं उसे उस डिवीज़न का निदेशक बनवा दूँगा — पर फ़िलहाल उसे हालात को स्वीकार करना होगा।

वह कुत्ता था, हाँ, और इस पर हम सब सहमत हो सकते हैं। पर उसके पास एक फ़ायदा था: वह अमेरिकी था, और इससे उसे दुनिया के हर दूसरे कुत्ते पर बढ़त मिल जाती थी।

हम घर लौटे और वह खाने लगा, और मेरी पत्नी, जो जिज्ञासा से मरी जा रही थी, जानना चाहती थी कि क्या हुआ।

मैंने उसे बताया कि मैंने कुत्ते से वादा किया है कि वह Cincinnati में एक बहुराष्ट्रीय कंपनी का PET&FOOD डिवीज़न चलाएगा, और उसने मुझ पर विश्वास कर लिया — क्योंकि जब Frega नाम का कोई आदमी कुछ कहता है, तो बेहतर है कि आप कान खड़े कर लें और हमेशा मानकर चलें कि वह सच हो सकता है।

Ferdinando